UNIVERSITY NEWS 20 SEPTEMBER 2026

AMRIT VICHAR

लविवि की टीम 'इंटेलिवर्स' ने हासिल किया तृतीय स्थान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• बाढ़ व भूस्खलन का सटीक पूर्वानुमान करेगा लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र का त्रिनेत्र यंत्र

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के बी.टेक. (सीएसई-एआई) के विद्यार्थियों की टीम 'इंटेलिवर्स' ने दिल्ली टेक्निकल कैंपस में आयोजित 24 घंटे के हैकइंडिया हैकाथॉन में तृतीय स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर टीम को 6,000 रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. जे. पी. सैनी एवं संकाय के डीन प्रो. एसपी सिंह ने विजेता टीम के सदस्यों अतुल यादव, श्वेता पांडेय एवं विपिन विश्वकर्मा को बधाई दी।

कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के कोऑर्डिनेटर डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि अतुल यादव के नेतृत्व में टीम ने 'त्रिनेत्र एआई' नामक तकनीकी मॉडल प्रस्तुत किया। यह नवाचार पहाड़ी इलाकों में अचानक आने वाली बाढ़ व भूस्खलन के जोखिम का सटीक पूर्वानुमान लगाने में सक्षम है। परियोजना में मौसम पूर्वानुमान, वर्षा के आंकड़े, ऐतिहासिक आपदा डेटा, मशीन लर्निंग, एजेंटिक एआई तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स तकनीकों का समन्वय किया गया है। प्रणाली उपयोगकर्ता द्वारा दर्ज स्थान व समय के आधार पर मौसमी आंकड़ों का विश्लेषण कर संभावित खतरे का आकलन करती है।

NBT

गोमती पुस्तक महोत्सव में मंथन, मुशायरे और सुरों से सजी शाम

'समाज गढ़ते हैं पुस्तकालय'

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित पांचवें गोमती पुस्तक महोत्सव में युवाओं ने दिखाई दिलचस्पी।

■ NBT न्यूज, लखनऊ : पुस्तकालय सिर्फ ज्ञान अध्ययन का ठिकाना भर नहीं हैं, बल्कि ये ज्ञान और चेतना से समृद्ध समाज की मजबूत नींव तैयार करते हैं। यह बात डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (RMLNLU) के पुस्तकालयाध्यक्ष मनीष कुमार बाजपेयी ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित पांचवें गोमती पुस्तक महोत्सव में कही। ...

मुशायरे की नजाकत और रॉक बैंड की ऊर्जा

NBT

संगीत से आंतरिक बदलाव, सामंजस्य का दिया संदेश

■ NBT न्यूज, लखनऊ : संगीत सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि बेहतर बदलाव, जागरूकता और सामंजस्य की राह दिखाने का माध्यम है। इसी संदेश के साथ दक्षिण अफ्रीका की गायिका व संगीतकार शशिका मूरथ ने लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में अपनी खास प्रस्तुति दी। ...

अंडमान के विकास का वैज्ञानिक मॉडल बनाएंगे LU के एक्सपर्ट्स

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की राह अब लखनऊ विश्वविद्यालय (LU) के विशेषज्ञ तय करेंगे। ...

NBT

फिर से टैगोर लाइब्रेरी में पढ़ेंगे छात्र

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय का रीडिंग रूम करीब एक साल बाद शनिवार से छात्र-छात्राओ और शोधार्थियो के लिए फिर से खोल दिया गया। रेनोवेशन के चलते पिछले 1 साल से रीडिंग रूम बंद था इसके चलते स्टूडेंट केवल लाइब्रेरी से किताबे ले सकते थे लेकिन वहा बैठकर पढ़ नही सकते थे। इसके चलते छात्रो को परेशानी हो रही थी। नवीनीकरण के दौरान दीवारो की सीलन दूर करने के लिए वॉल टाइल्स लगाई गई है। क्षतिग्रस्त फर्श को भी नई टाइल्स से बदला गया है। इसके अलावा खराब और बंद पड़ी मेजो को दुरूस्त किया गया। छात्रो की सुविधा के लिए अब हर रीडिंग टेबल पर भी लाइट लगाई गई है इससे छात्रो को किताबे पढ़ने मे मुश्किल नही होगी।

DAINIK JAGRAN

गोमती संरक्षण संग उर्दू अदब के रंगों से सजा पुस्तक मेला

3500 से अधिक बच्चों ने रचनात्मक गतिविधियों में लिया हिस्सा

महोत्सव में सत्र के दौरान संवाद करते प्रमेश कुमार व दीपिका चतुर्वेदी • जागरण

जास • लखनऊ : गोमती पुस्तक महोत्सव में शनिवार को साहित्य, बाल रचनात्मकता, पर्यावरण, पुस्तक संस्कृति, उर्दू अदब और संगीत के कई रंग दिखे। दिनभर आयोजित कार्यक्रमों में 3500 से अधिक बच्चों ने रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लिया। ...

AMAR UJALA

चुनरी बनी छतरी...

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने आए कलाकार ने बारिश के दौरान चुनरी को ही छाता बना लिया। • अमर उजाला

AMAR UJALA

महोत्सव में 50% तक छूट, 100 रुपये में मिल रहा ज्ञान का खजाना

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। गोमती पुस्तक महोत्सव के समापन की ओर बढ़ते ही किताबों के दाम भी पाठकों को लुभाने लगे हैं। प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं ने स्टॉल पर आकर्षक ऑफर शुरू कर दिए हैं। कहीं पुस्तकों पर 50 फीसदी तक की छूट मिल रही है तो कहीं फिक्शन, नॉन फिक्शन और इतिहास से जुड़ी किताबें महज 100 रुपये में उपलब्ध हैं। कुछ स्टॉल पर किताबों की कीमत 50 रुपये से शुरू हो रही है। समापन रविवार को होगा।

ई लोकल शॉप स्टॉल के मालिक शुभम ने बताया कि उनके यहां से कोई भी पुस्तक खरीदने पर 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पुस्तकें पहुंचाना है। वहीं लक्ष्मी बुक डिपो के मालिक मनोज कुमार ने बताया कि उनके स्टॉल पर फिक्शन, नॉन फिक्शन और इतिहास से संबंधित कोई भी किताब 100 रुपये में खरीदी जा सकती है। कुछ अन्य स्टॉल पर भी किताबें 50 रुपये में उपलब्ध हैं।

पुस्तक मेले में किताबें देखतीं युवतियां। संवाद

पुस्तक महोत्सव के पास बिखरे लंच पैकेट। संवाद

पुस्तकों पर मिल रही छूट विद्यार्थियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनी है। लविवि के परास्नातक छात्र आर्यन कुशवाहा ने कहा कि गोमती पुस्तक महोत्सव जैसे आयोजन विद्यार्थियों को पुस्तकों की ओर लौटने का अवसर देते हैं। किताबों पर विशेष छूट मिलने से विद्यार्थी उतने ही पैसों में ज्यादा पुस्तकें खरीद पाते हैं। मेले में आई छात्रा पल्लवी मौर्या ने कहा कि जो किताब सामान्य दिनों में 200-300 रुपये में मिलती है, वही यहां 100 रुपये में मिल रही है। उन्होंने इसे अच्छी पहल बताया।

महोत्सव के आठवें दिन 'प्रत्येक पुस्तक को पाठक मिले' विषय पर परिचर्चा हुई। सीएसआईआर के वैज्ञानिक रमेश गुप्ता ने कहा कि पुस्तकों को पुस्तकालयों तक सीमित रखने के बजाय पुस्तक मेलों, स्टॉल और अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। परिचर्चा की अध्यक्षता उप्र पुस्तकालय संघ के अध्यक्ष एवं सचिव विनोद कुमार मिश्रा ने की। समन्वय डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष एवं पुस्तकालयाध्यक्ष मनीष कुमार बाजपेयी ने किया। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय विभागाध्यक्ष डॉ. शरद सोनकर ने विद्यार्थियों की जरूरत के अनुरूप पुस्तकें और बेहतर अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

■ **3500 से अधिक बच्चों ने की रचनात्मक गतिविधियां :** बाल मंडप में शनिवार को दिन की शुरुआत कठपुतली प्रस्तुति से हुई। राहुल, रिद्धि और कुलदीप ने टोली पर आधारित कहानी कठपुतलियों के माध्यम से प्रस्तुत की। वैदिक गणित फन क्विज के जरिए बच्चों को विशेष जागरूकता से जुड़े विषयों की जानकारी दी गई। कार्यक्रमों में 3500 से अधिक बच्चों ने रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लिया।

■ **गोमती के उद्गम से संरक्षण तक हुई चर्चा :** 'नदी ने क्या याद रखा' संवाद में गोमती नदी के उद्गम क्षेत्र, जैव विविधता, संरक्षण और नदी से जुड़े स्थानीय जीवन पर चर्चा हुई। सत्र का समन्वय फिल्मकार दीपिका चतुर्वेदी ने किया। पीलीभीत के कलीनगर के उपजिलाधिकारी प्रमेश कुमार शामिल हुए।

AMAR UJALA

पुस्तक विमोचन

■ डॉ. अमिताभ कुमार की पुस्तक लखनऊ शहर-ए-अदब व इंडियन रेलवे फ्रॉम स्टीम टू स्पीड का विमोचन लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर के गोमती पुस्तक मेले में शाम 5:30 बजे।

पुस्तक मेला

■ नेशनल बुक ट्रस्ट की ओर से आयोजित पुस्तक मेला का अंतिम दिन लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक।

HINDUSTAN

खेल कोटे से प्रवेश के इच्छुक का चयन 24को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय मे शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए खेल कोटे के अंतर्गत सीधे प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियो एवं खिलाडियों की चयन प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन की ओर से जारी सूचना के अनुसार, खेल कोटे के तहत प्रवेश के लिए चयन प्रक्रिया के संबंध मे 24 सितंबर 2026 को दोपहर 2 बजे क्रीड़ा परिषद के सभागार मे बैठक आयोजित होगी।

AAJ

अंडमान को आकर्षक बनाने के लिए बनेगा विज़न डाक्यूमेन्ट-डा दिनेश शर्मा

अंडमान में पर्यटन को दी जाएगी नई दिशा

लखनऊ। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं यूपी के पूर्व उपमुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा ने कहा कि अंडमान को पर्यटन की दृष्टि से आकर्षक एवं सुरक्षित बनाने के लिए विजन डाक्यूमेन्ट तैयार किया जाएगा। ...

AMAR UJALA

चुनौतियों से उबरने की क्षमता विकसित करें

लखनऊ। लखनऊ विवि के काउंसलिंग एवं गाइडेंस सेल और हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी, मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से विद्यार्थियों में मानसिक शक्ति एवं लचीलापन विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी के संरक्षण में हुए कार्यक्रम में वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, कनाडा के प्रोफेसर एमेरिटस ऑफ साइकियाट्री प्रो. अमरेश श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों से संवाद किया। मानसिक शक्ति का मतलब असफलताओं से सीखने और जरूरत पड़ने पर सहायता लेने की क्षमता है। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

मुशायरे में गूंजे कलाम, गोमती बचाने पर जोर

पुस्तक महोत्सव

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। पांचवें गोमती पुस्तक महोत्सव में शनिवार को साहित्य, पर्यावरण, पुस्तक संस्कृति, उर्दू अदब और संगीत के विविध रंग देखने को मिले। एलयू में जारी महोत्सव में बड़ी संख्या में बच्चों ने रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया। वहीं पुस्तकालयों की उपयोगिता, पढ़ने की संस्कृति और गोमती नदी के संरक्षण पर परिचर्चाएं हुईं।

महोत्सव की साहित्यिक संध्या राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से मुशायरे के नाम रही। ऑल इंडिया माइनॉरिटीज फोरम फॉर डेमोक्रेसी के अध्यक्ष डॉ. अम्मार रिजवी मुख्य अतिथि थे। हसन काजमी ने क्या जमाना है, कभी यूं भी सजा देता है, मेरा दुश्मन मुझे जीने की दुआ देता है कलाम को पेश कर सुनने वालों की दाद अपने नाम की। शायर मलिकजादा जावेद ने बदलते वक्त और रिश्तों पर व्यंग्य करते हुए मरीज हमको दवाएं बताने लगते हैं, बुरा हो वक्त तो सब आजमाने लगते हैं कलाम को सुनाया। मनीष शुक्ला ने उर्दू की तहजीब और बातचीत के सलीके को अपने अंदाज में पेश किया। रिदम एंड स्ट्रिंग्स बैंड ने लोकप्रिय गीतों से मनोरंजन किया।

गोमती पुस्तक महोत्सव में शनिवार को मुशायरे में शायरों ने अपने कलाम पेश किए।

'लेखक से मिलिए' में आज डॉ. रहीस सिंह से चर्चा

लखनऊ विश्वविद्यालय मे जारी गोमती पुस्तक महोत्सव मे रविवार को प्रख्यात लेखक डॉ. रहीस सिंह लेखक से मिलिए कार्यक्रम मे पाठको के साथ संवाद करेंगे। डॉ. रहीस सिंह की पुस्तक कैकेयी के राम का छठा संस्करण आ चुका है।

HINDUSTAN

लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को परिचर्चा में डॉ. दिनेश शर्मा मौजूद रहे।

अंडमान पर्यटन को मिलेगी नई दिशा: दिनेश शर्मा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोकार्बन एनर्जी एंड जियो रिसोर्सेस के तत्वावधान में अंडमान-निकोबार में जलवायु परिवर्तन पर परिचर्चा आयोजित हुई। इस दौरान उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि अंडमान को पर्यटन के लिहाज से अधिक आकर्षक और सुरक्षित बनाने के लिए व्यापक विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जाएगा। डॉ.शर्मा व्यापारियों से भी मिले।

UNIVERSITY NEWS 20 SEPTEMBER 2026

TIMES OF INDIA

Readers explore books on religious traditions at fair

Anjanaya Singh | TNN

Lucknow: The religious literature section at Gomti Book Festival is attracting readers seeking a wider understanding of faith traditions through books that explain ideas, histories and practices, alongside familiar scriptures. While copies of Ramayan, Mahabharat, Gita, Quran, Bible and Guru Granth Sahib remain available, many visitors are turning to commentaries, philosophical works, and biographies to explore religion beyond devotional reading.

Rohit Das, a publication owner at the festival, said the shift is most visible among readers interested in context and interpretation. "The trend is particularly visible among readers who want to understand religious traditions beyond devotional reading. Books on Hindu philosophy, the Upanishads, Puranas, mythology and interpretations of the Bhagvad Gita are finding space alongside the primary texts," he said.

In the Islamic section, visitors are browsing titles on Seerah, the life of Prophet Muhammad, Hadith, Tafsir and Islamic history. Christian shelves include Bible commentaries, study guides and books that examine the life and teachings of Jesus.

"I bought a book, 'Seerah,' along with a Quran translation. I have read the Quran but I wanted to know more about the historical context and the life of Prophet Muhammad," said Mohammad Arif, a visitor at the festival.

The Sikh collection features books on Sikh philosophy and history, biographies of the Sikh Gurus and interpretative works on Guru Granth Sahib. Buddhist offerings introduce readers to the teachings of Buddha through texts such as Dhammapada and Jataka stories. Jain literature highlights topics including ahimsa, ethics, philosophy and Jain history, while books on Zoroastrianism cover Avesta, Gathas and Parsi traditions. "I wanted something beyond the usual religious texts. Books explaining the background and philosophy help me understand why certain traditions and practices developed," said Raayla Sharma, another visitor. Karmanya Singh said he purchased a book on Sikh history to learn how the faith evolved over time. Among newer titles drawing attention is "Happy Hanuman," a devotional art-therapy book based on Hanuman Chalisa that combines illustrations, colouring and activities with its 43 chaupais.

"I bought Happy Hanuman for my daughter. She enjoys colouring and I thought the book would be a simple way for her to become familiar with the Hanuman Chalisa," said Arohi Shukla.

Visitors at book fair

'Gomti a living and dynamic ecosys'

Gomti's land must be returned to Gomti to protect its natural character, said river expert Prof Venkatesh Dutta at a special session on the river's health, history and future at the fifth Gomti Book Festival at Lucknow University on Friday. The session, titled "I Am Your Gomti", was organised on World Water Monitoring Day. "Gomti should not be viewed only as a stream of water but as a living and dynamic ecosystem. The river needs its natural flow, banks and catchment area to remain healthy. If we want to restore Gomti, we have to protect the land that belongs to the river," said Dutta.

AMRIT VICHAR

साहित्योत्सव | मुशायरे और संगीत ने बांधा समां

गोमती पुस्तक महोत्सव में दिखे साहित्य और संगीत के रंग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर अपनी बात रखते वक्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गोमती पुस्तक महोत्सव में शनिवार को साहित्य, बाल रचनात्मकता, पर्यावरण, पुस्तक संस्कृति, उर्दू अदब और संगीत के विविध रंग दिखे। दिनभर 3500 से अधिक बच्चों ने रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लिया। बाल कॉर्नर में कठपुतली से कहानी, वैदिक गणित लैब, प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण और राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय की रचनात्मक लेखन कार्यशाला हुई। सेबी की फन क्विज में बच्चों को वित्तीय जागरूकता की जानकारी दी गई।

गोमती के संरक्षण पर चर्चा: सत्र में गोमती के उद्गम, जैव विविधता, संरक्षण और स्थानीय 'नदी ने क्या याद रखा' जीवन पर चर्चा हुई। फिल्मकार दीपिका चतुर्वेदी ने समन्वय किया। कलीनगर के एसडीएम प्रमेश कुमार ने नदी की स्वच्छता, घाटों के विकास और स्थानीय भागीदारी के प्रयास बताए।

मुशायरे में सजी साहित्यिक संध्या: राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद के सहयोग से मुशायरा हुआ। डॉ. अम्मार रिजवी मुख्य अतिथि और हसन काजमी अध्यक्ष रहे। मलिकजादा जावेद, पपलू लखनवी, मनीष शुक्ला, तारा इकबाल और चरण सिंह बशर ने रचनाएं प्रस्तुत कीं। दिन का समापन रिदम एंड स्ट्रिंग्स बैंड की संगीतमय प्रस्तुति से हुआ।

AMRIT VICHAR

मंथन | अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के सतत विकास और जलवायु अनुकूलन पर जुटे विशेषज्ञ

अंडमान को पर्यटन में आकर्षक बनाने के लिए बनेगा विजन डाक्यूमेंट : शर्मा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि पहुंचे अंडमान द्वीप समूह के उपराज्यपाल को सम्मानित करते कुलपति प्रो. जेपी सैनी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उप राज्यपाल डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि अंडमान को पर्यटन की दृष्टि से आकर्षक और सुरक्षित बनाने के लिए विजन डाक्यूमेंट तैयार किया जाएगा। इसमें प्राकृतिक उपायों के साथ एआई के प्रयोग पर भी विचार किया जाएगा। यह बातें उप राज्यपाल डॉ. शर्मा ने हाइड्रोकार्बन, ऊर्जा एवं भू-संसाधन संस्थान (ओएनजीसी भवन) लविवि में आयोजित इस बैठक में कही। इस बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक की मेजबानी संस्थान के निदेशक प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने की। इस दौरान विशेषज्ञों ने द्वीपसमूह की पारिस्थितिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए संतुलित विकास मॉडल तैयार करने पर जोर दिया। चर्चा में मीठे जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए समुद्री जल के विलवणीकरण (डिसैलिनेशन) की ऊर्जा-कुशल तकनीकों के उपयोग पर विशेष विमर्श हुआ। साथ ही भूविज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, जैव-विविधता और उन्नत संगणन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के समन्वय से दीर्घकालिक कार्ययोजना बनाने पर सहमति बनी।

उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा ने विशेषज्ञों के सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय की बहु-विषयक विशेषज्ञता द्वीपसमूह को जलवायु-अनुकूल और सतत विकास का मॉडल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैठक में प्रो. सौआर. गौतम, प्रो. अमिता कर्नाजिया, प्रो. मोनिशा बनर्जी, प्रो. पुनीत मिश्रा, प्रो. विनीत कुमार वर्मा और डॉ. मनोज कुमार यादव सहित कई विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

SWATANTRA BHARAT

हैकइंडिया में लविवि का परचम

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के बीटेक (सीएसई-एआई) विद्यार्थियों की टीम 'इंटेलिवर्स' ने दिल्ली टेक्निकल कैंपस में आयोजित 24 घंटे के हैकइंडिया हैकाथॉन में तृतीय स्थान हासिल किया। टीम को ?6,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। टीम में अतुल यादव, श्वेता पांडेय और विपिन विश्वकर्मा शामिल रहे। टीम ने प्रतियोगिता में 'ट्रिनेत्र एआई' तकनीकी समाधान प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्रों में अचानक आने वाली बाढ़ और भूस्खलन के जोखिम का पूर्वानुमान लगाना है। परियोजना में मौसम एवं वर्षा के आंकड़ों, ऐतिहासिक आपदा आंकड़ों, मशीन लर्निंग, एजेंटिक एआई और इंटरनेट ऑफ थिंग्स का एकीकरण किया गया है। ईएसपी-32 तथा सेंसरों के माध्यम से वर्षा, मिट्टी की नमी, जल स्तर, तापमान और आर्द्रता की वास्तविक समय में निगरानी की जा सकती है। कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी और डीन प्रो. एस.पी. सिंह ने टीम को बधाई दी। विभागीय समन्वयक डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने परियोजना को आपदा प्रबंधन की दृष्टि से उपयोगी बताया।

द्वीपसमूह के विकास में लविवि की पहल

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता और जलवायु अनुकूलन को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय में विशेषज्ञों की बैठक हुई। इस दौरान द्वीपसमूह के विकास को पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित करने और वैज्ञानिक एवं तकनीकी समाधानों के माध्यम से स्थानीय चुनौतियों से निपटने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के उपराज्यपाल प्रो. दिनेश शर्मा और लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी उपस्थित रहे। मेजबानी हाइड्रोकार्बन, ऊर्जा एवं भू-संसाधन संस्थान के निदेशक प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने की। विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाओं, समुद्र के बढ़ते जलस्तर, जल एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर चर्चा की। समुद्री जल के ऊर्जा-कुशल एवं पर्यावरण-अनुकूल विलवणीकरण की तकनीकों पर भी विचार हुआ। उपराज्यपाल प्रो. दिनेश शर्मा ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय की बहुविषयक विशेषज्ञता द्वीपसमूह को जलवायु-अनुकूल और सतत विकास का मॉडल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।